

Daily Current Affairs

Date : 01 December, 2025



अनुक्रमणिका

क्र. सं.	टॉपिक का नाम
1.	मुख्यमंत्री शिक्षित राजस्थान अभियान
2.	'कर्मभूमि से मातृभूमि' अभियान
3.	पिंक सिटी हाफ मैराथन 2025 - रन फॉर ज़ीरो हंगर
4.	सिवाना रिंग कॉम्प्लेक्स
5.	यू डाइस रिपोर्ट 2025-26
6.	न्यूज़ इन शॉर्ट्स 1. दुनिया का पहला इमोशनल स्पीच टू स्पीच एआई मॉडल 2. डॉ. योगेश गुप्ता 3. घुमंतु जाति मेले का उद्घाटन 4. राष्ट्रीय आईआईएमएम अवॉर्ड 5. फोर्थ ऑल इंडिया शॉटगन चैंपियनशिप 6. इंडिया इंटरनेशनल ट्रेड फेयर में प्रदेश को गोल्ड मेडल 7. "स्वर्णनगरी एक्सप्रेस"
7.	माधवाचार्य
8.	भारत का अद्यतन भूकंपीय क्षेत्र मानचित्र (2025)
9.	ऑपरेशन सागर बंधु
10.	भारत-अमेरिका रक्षा सौदा
11.	अंतरराष्ट्रीय समुद्री संगठन परिषद
12.	एशिया पावर इंडेक्स 2025
13.	नाइजीरिया में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (IIT)
14.	रूस की S-500 वायु रक्षा प्रणाली
15.	वार्षिक भूजल गुणवत्ता रिपोर्ट, 2025

--:1:--



मुख्यमंत्री शिक्षित राजस्थान अभियान

चर्चा में क्यों?

- 'मुख्यमंत्री शिक्षित राजस्थान अभियान' (MSRA) राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन के लिए राजस्थान का राज्यव्यापी स्कूली शिक्षा सुधार कार्यक्रम है, जिसे 29, मार्च 2025 से शुरू किया गया और सत्र 2025-26 से चरणबद्ध तरीके से लागू किया जा रहा है। यह अभियान विद्यार्थी, विद्यालय, शिक्षक और शैक्षणिक परिणाम -चार घटकों पर 41 ठोस कार्रवाइयों के ज़रिए सरकारी स्कूलों की गुणवत्ता, नामांकन, सीखने के स्तर और नैतिक मूल्यों को मजबूत करने पर केंद्रित है।
- **लक्ष्य:** विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास, सरकारी विद्यालयों में नामांकन व उपस्थिति बढ़ाना, रोजगारोन्मुखी व कौशल आधारित शिक्षा, समय पर पाठ्य पुस्तक/गणवेश/प्रोत्साहन राशि, डिजिटल मॉनिटरिंग के ज़रिए प्रगति पर नज़र और शैक्षणिक परिणामों में सुधार करना।
- **विशेषता:** राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को इस स्तर की समेकित स्कूल स्तरीय कार्रवाई के रूप में लागू करने वाला राजस्थान देश का पहला राज्य बन गया है।

मुख्य बिन्दु:

सामुदायिक भागीदारी और मेगा PTM

- स्कूल प्रधानाचार्य, शिक्षक, SMC/SDMC सदस्य और स्थानीय समुदाय को सक्रिय भागीदार बनाया गया है।
- मेगा PTM के माध्यम से अभिभावक शिक्षक संवाद नियमित होगा; AI आधारित ORF व "प्रखर 2.0" के ज़रिए बच्चों को पठन कौशल के स्तर के अनुसार वर्गीकृत कर Reading Remediation दी जाएगी।

Daily Current Affairs

Date : 01 December, 2025



चार प्रमुख घटक

1. विद्यार्थी केंद्रित कार्य :-

- ऐप आधारित उपस्थिति, सत्र शुरू होते ही किताब, यूनीफॉर्म, प्रोत्साहन राशि, रीडिंग कैंपेन, नियमित मेगा PTM।
- महापुरुषों के प्रेरक प्रसंगों के ज़रिए नैतिक शिक्षा, घुमंतू/अर्ध घुमंतू बच्चों के लिए "School on Wheels", पेपरलेस डिजिटल स्वास्थ्य सर्वे।

2. विद्यालय केंद्रित कार्य :-

- शून्य नामांकन वाले विद्यालयों का एकीकरण, सुसज्जित स्कूलों को "मेंटर स्कूल" बनाना, ICT लैब से वैकल्पिक शिक्षण, अच्छे परिणाम वाले स्कूलों का सम्मान।
- नए स्कूल खोलने से पहले पद/स्टाफ की उपलब्धता सुनिश्चित करना और बालक-बालिकाओं के लिए अलग शौचालय व्यवस्था।

3. शिक्षक केंद्रित कार्य :-

- स्टाफिंग पैटर्न व समानीकरण, बेहतर परिणाम वाले शिक्षकों का इच्छित स्थान पर तबादला।
- AI चैटबॉट आधारित डेटा विश्लेषण, ऑनलाइन उपस्थिति, समयबद्ध पदोन्नति और नई टेक्नॉलॉजी समर्थित प्रशिक्षण प्रणाली।

4. शैक्षणिक परिणाम केंद्रित कार्य :-

- नई अकादमिक संरचना, प्राथमिक कक्षाओं में मातृभाषा में पढ़ाई, आंगनबाड़ी विद्यालय समन्वय।
- दक्षता आधारित आकलन, वर्कबुक, व्यावसायिक शिक्षा व कौशल विकास पाठ्यक्रम, डिजिटल माध्यम से निरंतर शिक्षण और विज्ञान कंप्यूटर संकाय का विस्तार।

--3--

'कर्मभूमि से मातृभूमि' अभियान

चर्चा में क्यों?

- 'कर्मभूमि से मातृभूमि' अभियान के तहत राजस्थान में जल संरक्षण के लिए प्रवासी राजस्थानियों, भामाशाहों और सीएसआर को जोड़ कर 14,500 से अधिक जल संरचनाएँ बन चुकी हैं और कुल 45,000 संरचनाएँ बनाने का लक्ष्य है। यह अभियान प्रधानमंत्री के 'कैच द रेन' कार्यक्रम से प्रेरित है और भू जल पुनर्भरण तथा वर्षा जल संचयन के माध्यम से राज्य को जल आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है।

मुख्य बिन्दु:

अभियान की मुख्य विशेषताएँ

- **उद्देश्य:** कर्मभूमि (जहाँ प्रवासी राजस्थानी रहते/काम करते हैं) से मातृभूमि (राजस्थान) के लिए जल संरचना निर्माण में आर्थिक व सामाजिक योगदान को प्रेरित करना; वर्षा जल संचयन, सूखे हैंडपंप कुओं के माध्यम से भू जल रिचार्ज, जल स्रोतों की स्थिरता और पुनर्निर्माण।
- **लक्ष्य:** चार वर्षों में लगभग 45,000 रिचार्ज/जल संरक्षण संरचनाएँ; पहली ही साल ई पंचायत ऐप के माध्यम से 42,081 संभावित रिचार्ज साइटें चिन्हित, जिनमें से 14,500+ संरचनाएँ वास्तव में निर्मित हो चुकी हैं।

क्रियान्वयन ढाँचा :-

- **शुरुआत:** जनवरी, 2025 सांगानेर, (जयपुर) से, राज्य के 41 जिलों की 11,195 ग्राम पंचायतों में।
- **मंत्रालय-** जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार।
- **नोडल विभाग-** भू जल विभाग, राजस्थान सरकार।

Daily Current Affairs

Date : 01 December, 2025



■ संस्थागत व्यवस्था:

- मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में 31 सदस्यीय राज्य स्तरीय 'कर्मभूमि से मातृभूमि' अभियान समिति।
- मुख्य सचिव की अध्यक्षता में 20 सदस्यीय राज्य स्तरीय निर्देशन समिति (समन्वय व मॉनिटरिंग)।
- हर ज़िले में कलेक्टर की अध्यक्षता में 17 सदस्यीय जिला स्तरीय समिति

■ अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु :

- ग्रामीण क्षेत्रों में भू जल स्तर सुधार, पेयजल व सिंचाई के लिए दीर्घकालिक जल उपलब्धता, और जलाशयों-नालों की मरम्मत व सफाई से जलधाराओं का पुनर्जीवन।
- जन भागीदारी और जागरूकता: अभियान के साथ 'वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान' भी चलाया गया, जिसके अंतर्गत श्रमदान, पौधरोपण, अतिक्रमण हटाना, बांध क्षेत्रों की साफ-सफाई और जल संग्रहण ढाँचों का पुनर्निर्माण शामिल रहा।

--:5:--

पिंक सिटी हाफ मैराथन 2025 - रन फॉर ज़ीरो हंगर

चर्चा में क्यों?

- वेदांता पिंक सिटी हाफ मैराथन का 10वां संस्करण जयपुर में हुआ। इसमें सामुदायिक एकजुटता और दृढ़ संकल्प का प्रदर्शन किया। लगभग 15 हजार रनर्स ने वेदांता के #RunForZeroHunger अभियान में हिस्सा लिया।

मुख्य बिन्दु:

- 'प्लैग ऑफ' वेदांता लिमिटेड की नॉन एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर एवं हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड की चेयरपर्सन प्रिया अग्रवाल हेब्बर तथा वर्ल्ड कप विजेता भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने किया।
 - थीम:** #RunForZeroHunger अभियान के तहत सामाजिक उद्देश्य के साथ रन।
 - लक्ष्य:** राज्यों में 25,000 "नंद घर" विकसित करना, जहाँ बच्चों को पोषण, शिक्षा व स्वास्थ्य सुविधा मिल सके।
- इसके माध्यम से जुटाई गई राशि से नंद घर के बच्चों के लिए 1 लाख पौष्टिक भोजन के पैकेट जुटाए गए, जिन्हें 16 राज्यों के बच्चों को बांटा जाएगा।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु :

- "नंद घर" वेदांता समूह की सामाजिक पहल है, जो पारंपरिक आंगनवाड़ी केंद्रों को आधुनिक, सुसज्जित इंटीग्रेटेड बाल विकास केंद्र में बदलने का मॉडल है। इन केंद्रों में बच्चों को पोषण, पूर्व प्राथमिक शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाएँ और महिलाओं को कौशल विकास की सुविधाएँ एक ही जगह मिलती हैं। वर्ष 2025 तक 16 राज्यों में 10,000 से अधिक नंद घर संचालित; 3.6 लाख से ज़्यादा बच्चों और 2.7 लाख महिलाओं तक सीधा लाभ।
- राजस्थान सरकार के साथ MoU के तहत पूरे राज्य में 25,000 नंद घर विकसित करने का लक्ष्य; अभी सैकड़ों आंगनवाड़ी केन्द्र नंद घर के रूप में अपग्रेड हो चुके हैं।

सिवाना रिंग कॉम्प्लेक्स

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में सिवाना रिंग कॉम्प्लेक्स (बाड़मेर, पश्चिमी राजस्थान) को नवीनतम भू-वैज्ञानिक अध्ययनों में रेयर अर्थ एलिमेंट्स (REEs) और उच्च फील्ड स्ट्रेन्थ धातुओं (जैसे नियोडिमियम, जिर्कोनियम, नियोबियम, इट्रियम आदि) के लिहाज से भारत ही नहीं, दुनिया के अत्यंत समृद्ध भंडारों में गिना जा रहा है। यहाँ पाए जाने वाले खनिज इलेक्ट्रिक कारों के मोटर मैग्नेट, मोबाइल चिप, विंड टरबाइन, न्यूक्लियर पावर और हाई टेक इलेक्ट्रॉनिक्स के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।

मुख्य बिन्दु:

सिवाना रिंग कॉम्प्लेक्स की खासियत

- **भू आयु:** लगभग 70-80 करोड़ वर्ष पुराना नियोप्रोटेरोज़ोइक ज्वालामुखीय तंत्र; मालानी इग्नियस सूट का हिस्सा, लगभग 800 वर्ग किमी क्षेत्र में फैला रिंग आकार का कैल्डेरा कॉम्प्लेक्स। इसमें परएल्केलाइन ग्रेनाइट व रियोलाइटिक चट्टानें पाई जाती हैं, जो धरती के गहरे मैन्टल से आए क्षारीय मैग्मा के ठोस होने से बनी हैं।
- सिवाना क्षेत्र में गहरे मैन्टल से आया क्षारीय मैग्मा ज्वालामुखी विस्फोटों के ज़रिए सतह के नीचे बड़े ग्रेनाइटिक प्लूटन और रिंग डाइक के रूप में जमा हुआ।
- **खोज :** हैदराबाद और जयपुर स्थित केन्द्रीय परमाणु खनिज अन्वेषण निदेशालय तथा भू वैज्ञानिक सर्वेक्षण के वैज्ञानिक वर्षों से सिवाना क्षेत्र का अध्ययन कर रहे थे; हाल के उच्च रिज़ॉल्यूशन स्पेक्ट्रोस्कोपी, ड्रिल सैंपल एनालिसिस और भू रासायनिक मॉडलिंग ने अब यह स्पष्ट कर दिया है कि यहाँ विश्व स्तरीय स्तर का REE Nb Zr संभावित संसाधन मौजूद है।

Daily Current Affairs

Date : 01 December, 2025



खनिज	मात्रा	उपयोग
गिटिन्साइट	माइक्रो ग्रेनाइट में छोटे दाने के रूप में मौजूद।	इससे मिला जिर्कोनियम न्यूक्लियर रिएक्टर में ईंधन की रॉड लपेटने वाली ट्यूब, जेट इंजन के पुर्जों, सर्जिकल चाकू व इंप्लान्ट आदि में उपयोगी।
पायरोक्लोर	इससे नियोबियम मिलता है, कुछ सैपल में यह 1681 पीपीएम तक।	मजबूत स्टील, जेट इंजन, रॉकेट के पार्ट्स, एमआरआई में लगने वाले सुपरकंडक्टिंग मैग्नेट, मोबाइल-लैपटॉप के कैपेसिटर आदि में।
पेरिसाइट	कम मात्रा में नियोडिमियम प्रासियोडिमियम मौजूद।	इलेक्ट्रिक कारों से लेकर पवन चक्की और रिफाइनरियों से इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स तक में इस्तेमाल किया जाता है।
एलानाइट	अच्छी-खासी मात्रा में, सैपल का 0.65 से एक फीसदी तक।	इससे लैंथेनमसिरियम व थोरियम भी निकलता है। यह ग्लास सेरामिक में रंग डालने और थोरियम आधारित न्यूक्लियर रिएक्टर में उपयोगी।
टाइटेनाइट	चट्टान में छोटे दाने, इस टाइटेनाइट में नियोबियम भी मौजूद है।	टाइटेनियम हवाई जहाज की बॉडी, घुटने व कुल्हे के रिप्लेसमेंट तक में उपयोगी। नियोबियम का उपयोग स्टील, रॉकेट, जेटस, मोबाइल में होता है।
सिलिकेट	इस खनिज में रेयर अर्थ ऑक्साइड डिस्प्रेसियम बड़ी मात्रा में।	डिस्प्रेसियम वाले सुपर मैग्नेट इलेक्ट्रिक कार व विंड मिल, लेजर तकनीक आधारित इलाज, न्यूक्लियर रिएक्टर में कंट्रोल रॉड में।

--8--

यू डाइस रिपोर्ट 2025-26

चर्चा में क्यों?


- ऑटोमेटेड परमानेंट एकेडमिक अकाउण्ट रजिस्ट्री (APAAR) आईडी बनाने के लिए आधार/जनआधार, भूमि रिकॉर्ड और स्कूल रजिस्टर के डेटा को मिलाकर छात्र की यूनिक पहचान तय की जा रही है। करीब 83% विद्यार्थियों की APAAR आईडी बन चुकी है, लेकिन लगभग 17% छात्रों का डेटा आधार से मैच नहीं हो रहा; नाम, सरनेम, पिता का नाम, जन्म तिथि आदि में छोटी छोटी गलतियाँ (स्पेलिंग, क्रम, शॉर्ट फॉर्म) होने से सिस्टम "डुप्लिकेट/मिसमैच" बता रहा है। इन गड़बड़ियों के कारण छात्रों की आधार सीडिंग रुक गई है, छात्रवृत्ति/DBT, परीक्षा फॉर्म और दूसरे लाभों में दिक्कत आ रही है।

मुख्य बिन्दु:

UDISE+ 2025 26 रिपोर्ट का संदर्भ

- जारीकर्ता:** शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार
- राज्य में कुल 1.49 करोड़ विद्यार्थियों में से 1.25 करोड़ की आधार आधारित पहचान अपडेट हो गई है, जबकि लगभग 23.47 लाख विद्यार्थियों की आधार आईडी अभी लिंक नहीं हो पाई है।
- 5-15 वर्ष आयु वर्ग के 16.96 लाख (13.49%) और 15 वर्ष से अधिक आयु के 16.46 लाख (13.09%) बच्चों की बायोमेट्रिक पहचान अभी अधूरी है - यही समूह अपार ID में सबसे ज़्यादा अटका हुआ है।
- इसका उपयोग आगे चलकर स्कूल वार नामांकन की सटीक गणना, ड्रॉप आउट ट्रेकिंग, छात्रवृत्ति/DBT वितरण और शिक्षा नीति की योजना बनाने में आधार डाटा के रूप में किया जाएगा।

✂ न्यूज़ इन शॉर्ट्स ⚡

क्र. सं.	न्यूज़
1.	<p>दुनिया का पहला इमोशनल स्पीच टू स्पीच एआई मॉडल</p> <p>चर्चा में क्यों :</p> <ul style="list-style-type: none">■ जयपुर के स्पर्श अग्रवाल ने दुनिया का पहला इमोशनल स्पीच टू स्पीच एआई मॉडल लॉन्च किया है, जो केवल आवाज नहीं बल्कि उसमें छिपी भावनाओं को भी पहचानकर रियल टाइम में जवाब दे सकता है। यह मॉडल उनके स्टार्टअप पिक्सा एआई के तहत विकसित किया गया है और सीधे ऑडियो इनपुट लेकर ऑडियो आउटपुट उत्पन्न करता है, इसलिए पारंपरिक टेक्स्ट टू स्पीच एआई से अलग है।  <p>मुख्य बिन्दु :</p> <ul style="list-style-type: none">■ यह एआई इंसान की तरह बोलने वाले की आवाज, टोन, रिदम और भावनाएँ (खुशी, उदासी, जोश आदि) पकड़कर उसी भाव के साथ दूसरी भाषा या उसी भाषा में आउटपुट देता है। मॉडल "पैरालिंग्विस्टिक फीचर्स" जैसे पिच, टिंबर, पॉज़, एनर्जी आदि को कैप्चर कर दूसरी भाषा की जनरेटेड स्पीच पर मैप करता है, ताकि भावनात्मक अनुभव वैसा ही लगे।■ रीयल टाइम प्रोसेसिंग के कारण इसे गेमिंग, म्यूज़िक, हेल्थकेयर, और ऑटोमोबाइल वॉयस असिस्टेंट जैसे क्षेत्रों में उपयोगी समाधान के रूप में देखा जा रहा है।

2.

डॉ. योगेश गुप्ता

चर्चा में क्यों :

- जयपुर के वरिष्ठ न्यूरो सर्जन डॉ. योगेश गुप्ता को रायपुर में आयोजित रेडिकल अकैडमी ऑफ स्पाइन एंडोस्कोपी की कार्यशाला BSECON 3 में UBE (Uniportal/Biportal Endoscopy) तकनीक पर व्याख्यान देने के लिए सम्मानित किया गया।



मुख्य बिंदु :

- तकनीक की खासियत:
 - UBE/बायपोर्टल स्पाइन एंडोस्कोपी अत्याधुनिक मिनिमली इनवेसिव तकनीक है।
 - इसमें मसल इंजरी या बोन कटिंग बहुत कम/न के बराबर होती है, इसलिए मरीज अक्सर उसी दिन या अगले दिन डिस्चार्ज हो सकता है।

3.

घुमंतू जाति मेले का उद्घाटन

चर्चा में क्यों :

- जयसिंहपुरा खोर, जयपुर में घुमंतू जाति उत्थान न्यास द्वारा रोजगार मेले का आयोजन किया गया, जिसका उद्घाटन उत्तर अमेरिका की राजस्थान एसोसिएशन (RANA) के अध्यक्ष प्रेम भंडारी ने किया। मेले में घुमंतु समुदाय के बेरोजगार महिला पुरुषों को ऑटो, सिलाई मशीन, रेहड़ी, ठेला, रिक्शा जैसे स्वरोजगार के साधन उपलब्ध कराए गए।

4.

राष्ट्रीय आईआईएमएम अवॉर्ड

चर्चा में क्यों :

- मुंबई की भारतीय सामग्री प्रबंधन संस्थान ने परिवहन एवं सड़क सुरक्षा विभाग में कार्यरत आरटीओ एवं उप परिवहन आयुक्त (सड़क सुरक्षा) डॉ. वीरेंद्र सिंह राठौड़ को राष्ट्रीय आईआईएमएम अवॉर्ड से सम्मानित किया। राठौड़ को यह अवार्ड आईआईएमएम की नेशनल अवार्ड कमेटी की अनुशंसा पर राष्ट्रीय स्तर के प्रेसीडेंट एप्रीसेशन अवार्ड लॉजिस्टिक क्षेत्र में सड़क सुरक्षा एवं कीमत में कमी लाने के सुझाव पर दिया गया।

5.

फोर्थ ऑल इंडिया शॉटगन चैंपियनशिप

चर्चा में क्यों :

- जयपुर के युवा शूटर सूर्य देव सिंह राठौड़ ने दिल्ली स्थित डॉ. करणी सिंह शूटिंग रेंज में आयोजित फोर्थ ऑल इंडिया शॉटगन शोडाउन चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीता। उन्होंने ट्रैप/शॉटगन इवेंट में 109/125 का स्कोर बनाकर पहला स्थान हासिल किया।

6.

इंडिया इंटरनेशनल ट्रेड फेयर में प्रदेश को गोल्ड मेडल

चर्चा में क्यों :

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के "एक भारत, श्रेष्ठ भारत" के संकल्प पर नई दिल्ली के प्रगति मैदान में आयोजित 44वें भारतीय अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले के समापन समारोह में राजस्थान मंडप को उसके उत्कृष्ट एवं नवोन्मेषी प्रदर्शन हेतु स्वर्ण पदक प्रदान किया गया। इसमें उद्योग एवं पर्यटन विभाग के साथ रीको, राजस्थली एम्पोरियम, बीआइपी, खादी, राजीविका एवं रूडा की संयुक्त सहभागिता रही। राजस्थली एम्पोरियम की ओर से बनाई गई 'वन डिस्ट्रिक्ट, वन प्रोडक्ट' वॉल पर राज्य के सभी 41 जिलों के उत्पादों का प्रदर्शन किया गया।

7.

"स्वर्णनगरी एक्सप्रेस"

चर्चा में क्यों :

- जैसलमेर और दिल्ली (शकूरबस्ती) के बीच नई सुपरफास्ट रेलसेवा "स्वर्णनगरी एक्सप्रेस" का शुभारंभ 29 नवम्बर 2025 को जैसलमेर स्टेशन से किया गया, जिसे केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और केंद्रीय पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह ट्रेन 1 दिसम्बर 2025 से नियमित रूप से दैनिक आधार पर चलेगी और सीमांत जैसलमेर, जोधपुर व जयपुर की राजधानी दिल्ली से कनेक्टिविटी को नई गति देगी।

राष्ट्रीय परिदृश्य

माधवाचार्य

चर्चा में क्यों?

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उडुपी के श्रीकृष्ण मठ में लक्ष कंठ गीता पारायण कार्यक्रम को संबोधित किया। उडुपी का माधव परंपरा और द्वैत वेदांत में केंद्रीय स्थान है।

मुख्य बिन्दु:

- माधव परम्परा भारतीय दर्शन और धार्मिक अभ्यास के सबसे प्रभावशाली विद्यालयों में से एक है। 13वीं शताब्दी में जगद्गुरु माधवाचार्य (जिन्हें पूर्णप्रज्ञ या आनंद तीर्थ भी कहा जाता है) द्वारा स्थापित यह परंपरा द्वैत वेदांत या द्वैतवाद के सिद्धांत की शिक्षाओं पर आधारित है।
- यह विष्णु/कृष्ण के प्रति भक्ति पर जोर देने, व्यक्तिगत आत्मा और परमात्मा के बीच स्पष्ट अंतर करने तथा भक्ति आंदोलन में इसके योगदान के लिए जानी जाती है।
- द्वैत वेदांत की एक प्रमुख विशेषता पंच-भेद सिद्धांत है, जो पाँच वास्तविक भेदों की रूपरेखा प्रस्तुत करता है: ईश्वर और आत्मा, ईश्वर और पदार्थ, आत्मा और पदार्थ, एक आत्मा और दूसरी आत्मा, तथा एक प्रकार का पदार्थ और दूसरा। ये भेद अस्तित्व की संरचना में अंतर्निहित हैं।

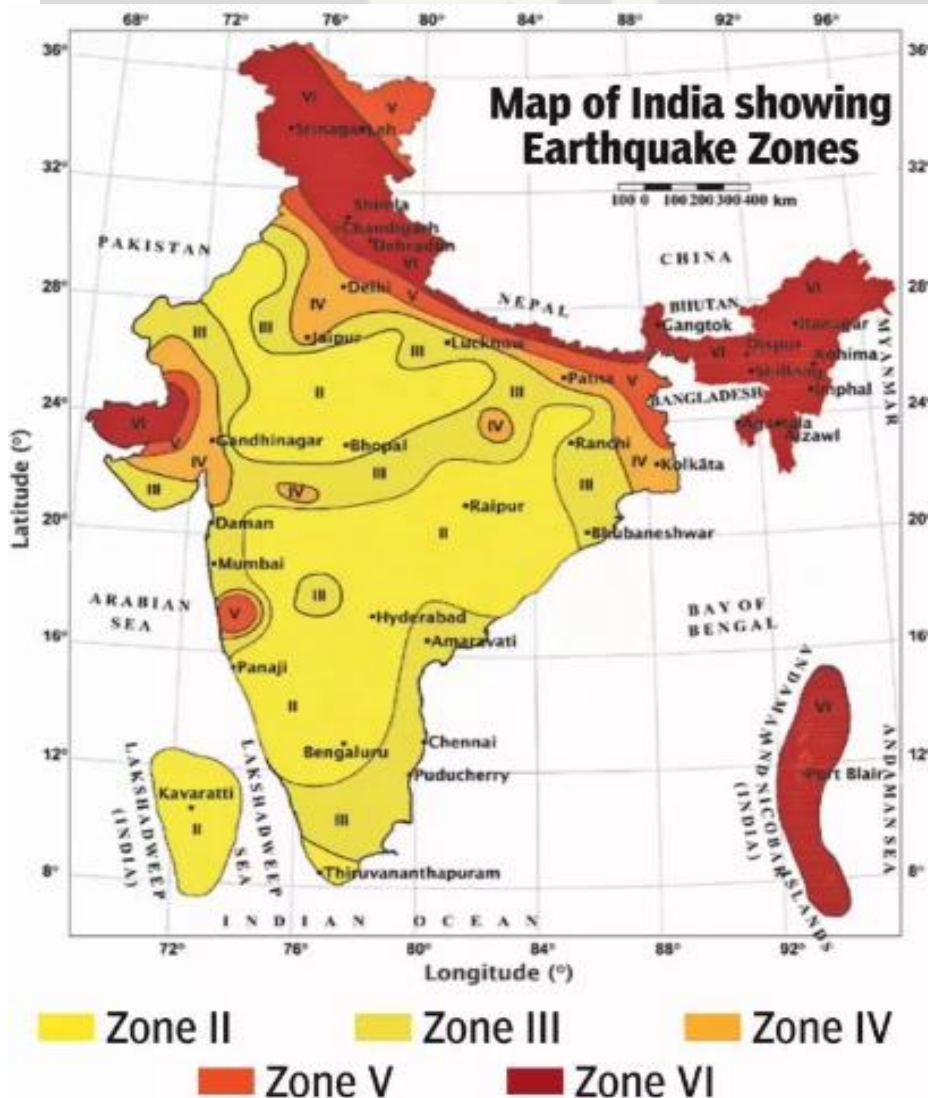
भारत का अद्यतन भूकंपीय क्षेत्र मानचित्र (2025)

चर्चा में क्यों?

- भारत ने नए भूकंप डिजाइन कोड (2025) के अंतर्गत अद्यतन भूकंपीय क्षेत्रीकरण मानचित्र जारी किया है।

मुख्य बिन्दु:

- उद्देश्य:** भारत के भूकंपीय सुरक्षा मानकों को आधुनिक वैज्ञानिक समझ के साथ संरेखित करना है तथा पुराने 2016 के मानचित्र और ऐतिहासिक-उपरिकेन्द्र-आधारित मॉडलों को प्रतिस्थापित करना है।



-:14:-

उन्नयन की आवश्यकता

- पहले के मानचित्रों में हिमालय के जोखिम को कम करके आंका गया था: पिछले ज़ोनीकरण ने हिमालय को ज़ोन IV और V में विभाजित किया था, जबकि यह बेल्ट दुनिया की सबसे सक्रिय टेक्टोनिक प्रणालियों में से एक को साझा करता है।
- पुराने मॉडल: पुराने मॉडल पूर्व में ज्ञात भूकंप स्थानों, परिमाणों, व्यापक भूविज्ञान, मिट्टी के प्रकार और ऐतिहासिक क्षति पैटर्न पर बहुत अधिक निर्भर थे।
- पहले के मानचित्रों में हिमालयन फ्रंटल थ्रस्ट रचर के दक्षिण की ओर प्रसार को पर्याप्त रूप से शामिल नहीं किया गया था
 - देहरादून जैसे घनी आबादी वाले पहाड़ी क्षेत्रों को प्रमुख थ्रस्ट फॉल्ट के निकट होने के बावजूद कम जोखिम में दर्शाया गया।
- अंतरराष्ट्रीय सर्वोत्तम प्रथाओं के साथ अंतर: अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वीकृत संभाव्य भूकंपीय खतरा आकलन (पीएसएचए) विधियों को अपनाने की आवश्यकता।

नए भूकंपीय मानचित्र (2025) की विशेषताएं

- जोन VI का परिचय: संपूर्ण हिमालयी क्षेत्र (जम्मू और कश्मीर-लद्दाख से अरुणाचल प्रदेश) को अब नव निर्मित उच्चतम जोखिम वाले जोन VI के अंतर्गत वर्गीकृत किया गया है।
- वैज्ञानिक पद्धति - PSHA: अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वीकृत संभाव्य भूकंपीय खतरा आकलन (पीएसएचए) विधियों का उपयोग करके निर्मित।
 - दूरी, टेक्टोनिक व्यवस्था और अंतर्निहित लिथोलॉजी के साथ जमीन के कंपन में कमी पर विचार किया जाता है।

Daily Current Affairs

Date : 01 December, 2025



- **उन्नत भौगोलिक कवरेज:** भारत का 61% भूभाग अब मध्यम से उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों में वर्गीकृत किया गया है (59% से बढ़ाकर)।
 - दक्षिणी प्रायद्वीप में अपेक्षाकृत स्थिर टेक्टोनिक व्यवहार के कारण खतरे की व्यापक रूप से स्थिर रूपरेखा के साथ मामूली सुधार दिखाई देते हैं।
- **सीमा नियम:** दो क्षेत्रों को अलग करने वाली सीमाओं पर स्थित कस्बों को स्वचालित रूप से उच्च जोखिम वाले क्षेत्र में रखा जाएगा।
- **व्यापक गैर-संरचनात्मक तत्व सुरक्षा:** पहली बार गैर-संरचनात्मक घटकों जैसे पैरापेट, छत, ओवरहेड टैंक, अग्रभाग पैनल, विद्युत लाइनें, लिफ्ट पर ध्यान केंद्रित किया गया।
- **महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा मानक:** बड़े भूकंपों के बाद भी अस्पताल, स्कूल, पुल, पाइपलाइन और प्रमुख सार्वजनिक इमारतें चालू रहनी चाहिए।

-:16:-



अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य



ऑपरेशन सागर बंधु



चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, भारत ने चक्रवात दित्वा से प्रभावित श्रीलंका की सहायता के लिए ऑपरेशन सागर बंधु शुरू किया।



मुख्य बिन्दु:

चक्रवात दित्वा

- यह एक उष्णकटिबंधीय चक्रवात है, जिसने श्रीलंका और दक्षिण भारत को प्रभावित किया।
- "दित्वा" नाम यमन द्वारा दिया गया है।

भारत-अमेरिका रक्षा सौदा

चर्चा में क्यों?

- भारत ने अमेरिका के साथ 24 MH-60R सीहॉक हेलीकॉप्टरों के बेड़े के लिए समझौते को अंतिम रूप दिया है, जिससे पाँच साल तक निरंतर रखरखाव और आपूर्ति सुनिश्चित होगी।

मुख्य बिन्दु:

MH-60R सीहॉक हेलीकॉप्टर

- लॉकहीड मार्टिन कॉरपोरेशन द्वारा निर्मित एमएच-60आर एक सभी मौसम में काम करने वाला हेलीकॉप्टर है।
- एमएच-60आर सीहॉक ब्लैकहॉक हेलीकॉप्टर का एक समुद्री संस्करण है।
- भारत ने फरवरी 2020 में 24 एमएच-60आर की खरीद के लिए अमेरिका के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए थे।

अंतरराष्ट्रीय समुद्री संगठन परिषद

चर्चा में क्यों?

- भारत को वर्ष 2026-27 के लिए अंतरराष्ट्रीय समुद्री संगठन (IMO) की परिषद में पुनः निर्वाचित किया गया है।

मुख्य बिन्दु:

अंतरराष्ट्रीय समुद्री संगठन

- **कार्य:** यह संयुक्त राष्ट्र की विशेष एजेंसी है जो नौवहन की सुरक्षा और जहाजों द्वारा समुद्री और वायुमंडलीय प्रदूषण की रोकथाम के लिए जिम्मेदार है।
- **उत्पत्ति:** आईएमओ की स्थापना 1948 में जिनेवा में संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन के बाद हुई थी और यह 1958 में अस्तित्व में आया।
- **सदस्य:** आईएमओ के 175 सदस्य देश और मुख्यालय लंदन, यूनाइटेड किंगडम में है। भारत 1959 में IMO में शामिल हुआ।

एशिया पावर इंडेक्स 2025

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, ऑस्ट्रेलिया स्थित थिंक टैंक लोवी इंस्टीट्यूट ने वार्षिक एशिया पावर इंडेक्स जारी किया।

मुख्य बिन्दु:

एशिया पावर इंडेक्स 2025

- वार्षिक एशिया पावर इंडेक्स एशिया में देशों की सापेक्ष शक्ति का आकलन करने के लिए उनके संसाधनों और प्रभाव को मापता है।
 - यह सैन्य क्षमता, आर्थिक क्षमता, कूटनीतिक और सांस्कृतिक प्रभाव सहित 8 मानदंडों के आधार पर एशिया के 27 देशों एवं क्षेत्रों की शक्ति का मूल्यांकन करता है।
- भारत ने 'प्रमुख शक्ति' का दर्जा प्राप्त करते हुए तीसरा स्थान हासिल किया है। हालांकि यह अभी भी संयुक्त राज्य अमेरिका और चीन से काफी पीछे है।

नाइजीरिया में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (IIT)

चर्चा में क्यों?

- पश्चिम अफ्रीका में पहला भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (IIT) परिसर नाइजीरिया में स्थापित किया जा रहा है।

मुख्य बिन्दु:

- पहला बैच 2026 में शुरू होने की उम्मीद है।
- यह पहल भारत की वैश्विक शिक्षा पहुंच में एक बड़ा कदम है और राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 का हिस्सा है। यह नीति भारतीय विश्वविद्यालयों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विस्तार करने के लिए प्रोत्साहित करती है।
- नया परिसर IIT मद्रास-जंजीबार मॉडल का अनुसरण करेगा।
 - IIT मद्रास-जंजीबार परिसर 2023 में संपूर्ण अफ्रीका के छात्रों के लिए शुरू हुआ था।
 - IIT दिल्ली-अबू धाबी परिसर, 2024 में शुरू हुआ है। यह स्थानीय उद्योगों की जरूरतों के अनुरूप कोर्सेज प्रदान करता है।

⌚ विज्ञान प्रौद्योगिकी 🌡️

रूस की S-500 वायु रक्षा प्रणाली

🔊 चर्चा में क्यों?

- भारत के प्रधानमंत्री और रूस के राष्ट्रपति आगामी भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन में मिलेंगे, जहां दोनों पक्षों द्वारा अगली पीढ़ी की S-500 वायु रक्षा प्रणाली पर चर्चा किए जाने की उम्मीद है।

📌 मुख्य बिन्दु:

S-500 वायु रक्षा प्रणाली

- एस-500 प्रोमैटी रूस की सबसे उन्नत लंबी दूरी की, सतह से हवा में मार करने वाली और अंतरिक्ष रोधी रक्षा प्रणाली है।
- रूस की प्रमुख वायु रक्षा और मिसाइल अवरोधन निर्माता कंपनी अल्माज-एंटे द्वारा विकसित।
- एस-500, 600 किमी तक की दूरी पर विमान, मिसाइलों और हाइपरसोनिक खतरों को रोक सकता है।
- यह 200 किमी तक की ऊंचाई पर क्रियाशील है, जिससे मध्य-मार्ग में बैलिस्टिक मिसाइलों, हाइपरसोनिक ग्लाइड वाहनों और निम्न-पृथ्वी-कक्षा उपग्रहों को रोका जा सकता है।
- इसकी प्रतिक्रिया समय 3-4 सेकंड है, जो एस-400 से लगभग दोगुना है।



वार्षिक भूजल गुणवत्ता रिपोर्ट, 2025

चर्चा में क्यों?

- केंद्रीय भूजल बोर्ड ने वार्षिक भूजल गुणवत्ता रिपोर्ट, 2025 जारी की।

मुख्य बिन्दु:

- भारत का 71.7% भूजल भारतीय मानक ब्यूरो (BIS) के मानकों को पूरा करता है, लेकिन 28.3% नमूनों में एक या एक से अधिक मापदंड निर्धारित सीमा से अधिक पाए गए हैं।
- **नाइट्रेट संदूषण:** नाइट्रेट राष्ट्रीय स्तर पर सबसे व्यापक संदूषण है। लगभग 20% नमूनों में नाइट्रेट की WHO और BIS द्वारा निर्धारित सीमा (45 mg/L) से अधिक मात्रा पाई गई है। इसके बाद फ्लोराइड और लवणता का स्थान है।
- **यूरेनियम संदूषण:** पूर्व-मानसून के दौरान और मानसून के बाद नमूनों में यूरेनियम का स्तर सुरक्षित सीमा (30 ppb) से अधिक पाया गया।
 - पंजाब में सबसे अधिक संदूषण दर्ज किया गया। इसके बाद हरियाणा और दिल्ली का स्थान रहा।
- **लवणता:** लवणता राजस्थान और दिल्ली जैसे शुष्क एवं अर्ध-शुष्क क्षेत्रों में एक गंभीर मुद्दा है।
- **फ्लोराइड:** देशव्यापी नमूनों में से 8.05% में निर्धारित सीमा का उल्लंघन हुआ है। हालांकि, यह मुख्य रूप से भू-जनित था। राजस्थान में सबसे अधिक संदूषण देखा गया।
- **सीसा:** दिल्ली में सबसे अधिक सीसा संदूषण दर्ज किया गया।

Daily Current Affairs

Date : 01 December, 2025



- **सिंचाई के लिए उपयुक्तता:** भूजल की गुणवत्ता सिंचाई उद्देश्यों के लिए काफी हद तक उपयुक्त है। अधिकांश नमूने उत्कृष्ट श्रेणी में आते हैं।
- **अन्य गौण धातु और भू-जनित संदूषण:** आर्सेनिक (विशेष रूप से गंगा व ब्रह्मपुत्र बेसिन में), मैंगनीज (जैसे- असम, कर्नाटक, ओडिशा, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल) आदि।

केंद्रीय भू-जल बोर्ड

- **मुख्यालय:** फरीदाबाद (हरियाणा)।
- **उत्पत्ति:** 1970
- **मंत्रालय:** जल शक्ति मंत्रालय।
- यह पर्यावरण संरक्षण अधिनियम, 1986 के तहत स्थापित केंद्रीय भूमिजल प्राधिकरण के रूप में भी कार्य कर रहा है।

UTKARSH

CIVIL
SERVICES

--:24:--